

region, Tamil Nadu, Karnataka and Andhra Pradesh in the Southern region and West Bengal in the Eastern Region.

(b) Due to shortages in these States, restrictive power cuts on industries have been imposed.

(c) The following efforts are being made to increase power availability to the industries:—

- (i) The utilisation of existing power installations is being maximised by monitoring and arranging for supply and transport of coal and fuel oil, spare parts, etc.
- (ii) The programme of constructing inter-state lines and setting up of load-despatch stations is being expedited.
- (iii) The projects which are nearing completion are being expedited to ensure early commissioning of the generating units.
- (iv) Exchange of power between neighbouring States is being encouraged so as to achieve optimum utilisation of generating capacity and minimise the requirements of reserves.

Apart from the above measures, the power supply position in the various States has recently been reviewed by this Ministry in consultation with the project authorities to assist the Electricity Boards, wherever required.

Within the limits of availability of electric power, a rational system of priorities has been recommended to the State Governments. Under this, certain basic industries are accorded a high priority in the matter of power supply.

Production and Import of Fertilisers

65. SHRI H. M. PATEL:
SHRI MADHAVRAO SCINDIA:

Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) total production of fertilizer in the country as on 1st February, 1974;

(b) the requirement of fertilizer during the coming year;

(c) whether fertilizer is being imported to augment our internal production and if so, the main features thereof; and

(d) whether there are proposals to put up more fertilizer plants to increase fertilizer production in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) The production of fertilizers, in terms of nutrients Nitrogen and Phosphate during April 1973 to January, 1974 was as under:—

Nitrogen—	877,000 tonnes
Phosphate—	271,000 tonnes

(b) The requirements of fertilizers of the States/Union Territories/Commodity Boards for Kharif 1974 have been assessed at 10.13 lakh tonnes of Nitrogen, 3.33 lakh tonnes of Phosphate and 1.97 lakh tonnes of Potash. The likely requirements of fertilizers for Rabi 1974-75 are expected to be 19.57 lakh tonnes of Nitrogen, 6.07 lakh tonnes of Phosphate and 3.19 lakh tonnes of Potash. Thus the total requirements of fertilizers for the country for the year 1974-75 will be 29.70 lakh tonnes of Nitrogen, 9.40 lakh tonnes of Phosphate and 5.16 lakh tonnes of Potash.

(c) Yes, Sir; Nitrogenous fertilizers are largely imported from Japan, West Europe East Europe, USSR and

Phosphatic fertilizers from U.S.A, Canada and West Europe and Potassic fertilizers from Canada, West Europe and East Europe Import from East Europe and USSR is arranged by the MMTC and from other sources by the Department of Supply

(d) Yes, Sir.

प्रेक्टिस करने वाले चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के बारे में कदाचार की कथित शिकायतें

66. श्री मूलबन्ध डागा : क्या विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को चार्टर्ड एकाउन्टेन्सी के प्रशिक्षार्थियों में प्रैक्टिस करने वाले चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के कथित कदाचार के बारे में कोई शिकायत प्राप्त हुई है, और

(ख) यदि हा, तो उस पर सरकार का क्या प्रतिक्रिया है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री बेरब्रन इन्द्रा): (क) 1973 की अवधि में प्रैक्टिस करने वाले शास-प्राप्त लवाचारों द्वारा छात्रों का मासिक वृत्तिकान देने, उचित कार्य प्राप्त करने का निवारण लेखा-परीक्षकों के सहायकों के रूखे व्यवहार कार्य करने की सामान्य शर्तों आदि से प्रारोपित कदाचारों के सम्बन्ध में तीन शिकायतें प्राप्त हुई थी।

(ख) शिकायतों के ये मामले इन्मटीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इण्डिया के आन्तरिक क्षेत्रधिकार में आते हैं अतः ये उनका इस विषय में उनके विचार के लिए भेज दिए गये हैं।

अजमेर तथा महसाना के बीच चलने वाली '229' अग्र और '230' डाउन रेलगाड़ी का बन्द किया जाना

67. श्री मूलबन्ध डागा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या अजमेर और महसाना के बीच चलने वाली 229 अग्र और 230 डाउन रेलगाड़िया बन्द कर दी गयी थी और ये तब तक समय के लिये बन्द रही, और

(ख) क्या इन्हें फिर से चालू करना का विचार है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी): (क) 229 अग्र का चनना अगत अप्रैल, 73 में तीन दिन, अगस्त 73 में 5 दिन, सितम्बर, 73 में 7 दिन, दिसम्बर, 73 में 25 दिन और जनवरी, 74 में 4 दिन बन्द रहा जब कि 230 डाउन का चनना, अगत अप्रैल, 73 में तीन दिन, अगस्त, 73 में 6 दिन, सितम्बर, 73 में 7 दिन, दिसम्बर 73 में 26 दिन और जनवरी, 74 में 4 दिन बन्द रहा।

(ख) 5-1-74 से इन गाड़ियों का सामान्य संचालन फिर शुरू हो गया है।

आगरा फोर्ट और अहमदाबाद के बीच चलने वाली 5 अग्र और 6 डाउन गाड़ियों का बन्द किया जाना

68. श्री मूलबन्ध डागा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि।